

सन्तोषी माता आरती in Hindi

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ।
अपने सेवक जन की,
सुख सम्पत्ति दाता ॥
जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

सुन्दर चीर सुनहरी,
मां धारण कीन्हो ।
हीरा पन्ना दमके,
तन श्रृंगार लीन्हो ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

गेरू लाल छटा छबि,
बदन कमल सोहे ।
मंद हंसत करुणामयी,
त्रिभुवन जन मोहे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

स्वर्ण सिंहासन बैठी,
चंवर दुरे प्यारे ।
धूप, दीप, मधु, मेवा,
भोज धरे न्यारे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

गुड़ अरु चना परम प्रिय,
तामैं संतोष कियो ।

संतोषी कहलाई,
भक्तन वैभव दियो ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

शुक्रवार प्रिय मानत,
आज दिवस सोही ।
भक्त मंडली छाई,
कथा सुनत मोही ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

मंदिर जग मग ज्योति,
मंगल ध्वनि छाई ।
विनय करें हम सेवक,
चरनन सिर नाई ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

भक्ति भावमय पूजा,
अंगीकृत कीजै ।
जो मन बसे हमारे,
इच्छित फल दीजै ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

दुखी दारिद्री रोगी,
संकट मुक्त किए ।
बहु धन धान्य भरे घर,
सुख सौभाग्य दिए ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

ध्यान धरे जो तेरा,
वांछित फल पायो ।
पूजा कथा श्रवण कर,
घर आनन्द आयो ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

चरण गहे की लज्जा,
रखियो जगदम्बे ।
संकट तू ही निवारे,
दयामयी अम्बे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

सन्तोषी माता की आरती,
जो कोई जन गावे ।
रिद्धि सिद्धि सुख सम्पति,
जी भर के पावे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ।
अपने सेवक जन की,
सुख सम्पति दाता ॥

Santoshi Mata Aarti in English

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.
Apne sevak jan ki,
Sukh sampati data.
Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Sundar cheer sunahari,
Maan dharan keenho.
Heera panna damke,
Tan shringar leenho.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Geru laal chhata chhabi,
Badan kamal sohe.
Mand hansat karunamayi,
Tribhuvan jan mohe.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Swarn sinhasan baithi,
Chamar dure pyare.
Dhoop, deep, madhu, meva,
Bhoj dhare nyare.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Gud aru chana param priy,
Tame santosh kiyo.
Santoshi kehlayi,
Bhaktan vaibhav diyo.

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.**

**Shukravaar priy mannat,
Aaj divas sohi.
Bhakt mandali chhayi,
Katha sunat mohi.**

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.**

**Mandir jag mag jyoti,
Mangal dhvani chhayi.
Vinay karein hum sevak,
Charanan sir naayi.**

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.**

**Bhakti bhaavmay pooja,
Angikrit keejai.
Jo man base humare,
Ichchhit phal deejai.**

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.**

**Dukhi daridri rogi,
Sankat mukt kiye.
Bahut dhan dhanya bhare ghar,
Sukh saubhagya diye.**

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.**

**Dhyan dhare jo tera,
Vanchhit phal payo.**

**Pooja katha shraavan kar,
Ghar anand aayo.**

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.**

**Charan gahe ki lajja,
Rakhiyao Jagdambe.
Sankat tu hi nivare,
Dayamayi Ambe.**

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.**

**Santoshi Mata ki aarti,
Jo koi jan gaave.
Riddhi siddhi sukh sampati,
Ji bhar ke paave.**

**Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.
Apne sevak jan ki,
Sukh sampati data.**